केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 273 शुक्रवार 2 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

एक ही काम पर दो बार मनरेगा का भुगतान लेने का आरोप ,डीएम से किया शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सल्टौआ विकास खंड के रुद्रपुर ग्राम पंचायत के निवासी रामनाथ ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर 1 ही काम पर दो बार भुगतान लेने का आरोप लगाया है। कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा 2 वर्ष पूर्व देहिया से सिहवरा सरहद तक मनरेगा द्वारा मिट्टी कार्य से चक मार्ग बनवाने का काम किया गया था लेकिन उसी कार्य का नाम बदलकर क्षेत्र पंचायत द्वारा भुगतान ले लिया गया शिकायत कर्ता ने अपने शिकायत पत्र में कहा कि किसी भी कार्य पर दुबारा काम कराने के लिए 3 साल का समय पूरा होना चाहिए लेकिन यहां मनरेगा के पैंसे का बन्दरबांट करने के उद्देश्य से एक ही काम पर ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत द्वारा 2 साल में ही भुगतान ले लिया गया। शिकायतकर्ता ने दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

मजदूर दिवस पर याद किये गये शिकागो के अमर शहीद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उ.प्र. बिजली कर्मचारी संघ एटक द्वारा हाईडिल कालोनी स्थित पेंशनर परिषद के यूनियन भवन पर अध्यक्ष का. अशर्फीलाल के संयोजन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। शहीद वेदी बनाकर शिकागो के अमर शहीदों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि भारत सहित विश्व स्तर पर मजदूर लगातार मजबूर होता जा रहा है। का. अशर्फीलाल ने कहा कि काम के आठ घंटे तय किए जाने को लेकर अमेरिका से जो संघर्ष शुरू हुआ, वह सिलसिला अभी तक जारी है। कहा कि जिस दिन देश के मजदूर शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को आत्मसात कर लेंगे दुनियां से मजदूरों पर होने वाले जुल्म, अत्याचार समाप्त होने लगेगा।

अध्यक्षता करते हुये विद्युत पेंशनर परिषद के जिला मंत्री कुरबान अली ने दुनियां में आ रहे बदलाव, पूंजीपतियों द्वारा शोषण, श्रमिक कानूनों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भारत के श्रमिक सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे हालात में श्रमिकों को अपने अधिकार हासिल करने के लिये संघर्ष की धार तेज करनी होगी।

गोष्ठी में इमरान, ई. फूलचन्द, मेहीलाल चौधरी, धर्मेन्द्र यादव, अनिल चौधरी, मसूद आलम, गीता के साथ ही विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप मालिक की गोली लगने से मौत

संवाददाता–बस्ती। जिले के कोतवाली थानाक्षेत्र में बड़ेबन स्थित सरदार पेट्रोल पंप के मालिक सरदार जगजीत सिंह की गोली लगने से गुरुवार की दोपहर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ, जब वह अपनी लाइसेंसी पिस्टल साफ कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई। गोली की आवाज सुनकर कर्मचारी केबिन की तरफ दौड़े। अंदर सोफे पर जगजीत सिंह को लहूलुहान अवस्था में पाया। उनकी मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। इधर सूचना पाकर एएसपी ओमप्रकाश सिंह व कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल से लाइसेंसी पिस्टल बरामद की है। पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज को पुलिस खंगाल रही है।

इधर घटना की सूचना पाकर सदर विधायक महेन्द्र यादव व कई व्यापारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना की वजह की तफ्तीश जारी है।

जातिगत जनगणना कराने का निर्णय सराहनीय– अनिल कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जन गणना कराये जाने के निर्णय का स्वागत करते हुये कहा है कि बसपा लम्बे समय से इसकी मांग कर रही थी। जाति जनगणना से निःसन्देह जन कल्याण भी होगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती ने एक्स हैन्डिल पर ट्विट करके जाति जनगणना के निर्णय की सराहना किया है। उन्होने कहा है कि देश में मूल जनगणना के साथ ही 'जातीय जनगणना' कराने का केन्द्र सरकार द्वारा लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम है। बीएसपी इसकी माँग काफी लम्बे समय से करती रही है। उम्मीद है कि सरकार 'जनगणना से जनकल्याण' के इस फैसले को समय से जरूर पूरा कराएगी।

श्रमिकों में वितरित किया गमछा, खाद्य सामग्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मजदूर दिवस पर गुरूवार को चित्रांश क्लब महिला विंग की जिला संयोजक प्रतिमा श्रीवास्तवा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने बाटा गली के सामने दिहाड़ी मजदूरी की उम्मीद में बैठे श्रमिकों के साथ उनका सुख दुःख साझा किया। उनमें गमछा, विस्कुट, पानी आदि का वितरण किया।

क्लब संस्थापिका रेखा चित्रगुप्त, संरक्षिका संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तवा ने कहा कि मजदूरों के पसीने से ही खेत खालिहाल लहलहाते हैं और ऊंची इमारते खड़ी होती है। हमें इनके श्रम को सम्मान देना होगा।

कहा कि महिलाओं को अपने घरों से इसकी शुरूआत करनी होगी। श्रमिकों में सामग्री वितरण के दौरान मुख्य रूप से सुमन श्रीवास्तवा रोमी बाधवा, सविता श्रीवास्तवा, रानी श्रीवास्तवा आदि शामिल रहीं।

मजबूर होता जा रहा है मजदूरः गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर गुरूवार को कबीर साहित्य सेवा संस्थान अध्यक्ष सामईन फारूकी के संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारत सहित विश्व स्तर पर मजदूर लगातार मजबूर होता जा रहा है।

गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि काम के 8 घंटे तय किये जाने को लेकर अमेरिका से जो संघर्ष शुरू हुआ वह सिलसिला अभी तक जारी है। कहा कि जिस दिन देश के मजदूर शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को आत्मसात कर लेंगे दुनियां से मजदूरों पर होने वाले जुल्म, अत्याचार समाप्त होने लगेगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने दुनियां में आ रहे बदलाव, पूंजीपतियों द्वारा शोषण, श्रमिक कानूनों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भारत के श्रमिक सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। एकजुटता से ही श्रमिकों की समस्या का समुचित हल हो सकेगा। साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि जब तक श्रमिक वर्ग आपस में बिखरा रहेगा समस्याओं का हल निकलना संभव नहीं है। आज सबसे बड़ी जरूरत एकजुटता को मजबूत करने की है। अध्यक्षता करते हुये बी.एन. शुक्ल ने कहा कि मजदूरों की स्थिति सुधरे इसके लिये साझा प्रयास करना होगा।

गोष्ठी में बाबूराम वर्मा, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, रामचन्दर तिवारी, डा. अफजल हुसेन, बी.के. मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र आदि ने कहा कि सरकार और मालिकानों की भूमिका श्रमिकों के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। नये श्रम कानूनों ने श्रमिकों का संकट बढा दिया है। संविदा की नौकरियां युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ है। इसे बंद किया जाना चाहिये। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरोजा देवी, दुर्गा प्रसाद, दीनानाथ यादव, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, पेशकार मिश्र, प्रदीप श्रीवास्तव, चन्द्रमोहन लाल, आदि उपस्थित रहे।

मजदूर दिवस पर आंगनवाडी कार्यकत्रियों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आंगनवाडी कर्मचारी व सहायिका एसोसिएशन की मण्डल अध्यक्ष भानमती दूबे और जिलाध्यक्ष सुनीता देवी के संयोजन में विश्व मजदूर दिवस पर अमहट घाट के निकट गोष्ठी का आयोजन किया गया। समस्या के समाधान और मांगों पर विस्तार से चर्चा के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया गया।

ज्ञापन देने के बाद मण्डल अध्यक्ष भानमती दूबे और जिलाध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि संगठन के संज्ञान में आया है कि कुछ जनपदों में एजूकेटर भर्ती की जा रही है, जिसे तत्काल रद्द किया जाये। कहा कि जब राज्य कर्मचारी की भांति उनकी नियुक्ति होती है. और जिस प्रकार के कार्य राज्य कर्मचारी कर रहें हैं, ठीक उसी प्रकार उन लोगों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्य सौंपा जाता है जिसे करते चले आ रहे है। और मानदेय कम मिल रहा है। अगर सरकार मानदेय की बढ़ोत्तरी नहीं करती है, तो हम संघर्ष के लिये तैयार है,।

कार्यक्रम में पूनम, माधुरी श्रीवास्तव, गीता चौधरी, ममता चौधरी, अंजली सिंह, जानकी चौधरी, सम्भा सिंह, सुनीता सिह, उर्मिला देवी, अनीता वर्मा. कमलेश सिंह, पुष्पावती, अनीता चौधरी, रजिया खातून, सुमन, मीना देवी.. स्नेहलता, मीरा देवी, उषा गुप्ता, अंजना वर्मा, आशा वर्मा, विक्की देवी, कुसुमलता, श्यामपरी देवी, विमला देवी आदि शामिल रहे।

आकाशीय बिजली से पति–पत्नी की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के रेहार जंगल गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति–पत्नी की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार गांव रेहार जंगल निवासी रामचरन (उम्र 55 वर्ष) और उनकी पत्नी चंद्रावती (उम्र 53 वर्ष) घर के पश्चिम तरफ सीवान में खेत में खर–पतवार की साफ–सफाई कर रहे थे। इसी दौरान मौसम में बदलाव हुआ और तेज गरज–चमक के साथ बारिश होने लगी। पति–पत्नी अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज हवा और बारिश होने पर बहू पूजा दोनों लोगों को बुलाने खेत में पहुंची तो देखा दोनों खेत में गिरे पड़े हैं। यह देखकर बहू ने शोर मचाया तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हादसे की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम पहुंच गई।

गिरे ओले

पूर्वी यूपी में गुरुवार की सुबह अचानक मौसम बदल गया। गोरखपुर और आसपास के इलाकों में 10 मिनट तक लगातार ओले गिरते रहे। इस दौरान आकाशीय बिजली से गोरखपुर में एक महिला और बस्ती में पति–पत्नी की मौत हो गई। गुरुवार की सुबह अचानक मौसम में बदलाव हुआ और झमाझम बारिश के साथ बड़े–बड़े ओले गिरने लगे।

श्रमिक दिवस पर 21 ने किया रक्तदान उप श्रमायुक्त ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर गुरूवार को मेडिकल सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव एसोसिएशन द्वारा श्रमिकों की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि पचपेडिया रोड स्थित बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक पर एसोसिएशन से जुड़े 21 लोगों ने रक्तदान दिया।

मुख्य अतिथि उप श्रमायुक्त बृजमोहन शर्मा ने कहा कि एसोसिएशन की पहल सराहनीय है। रक्तदान के द्वारा हम दूसरों के जान बचाने का माध्यम बनते है। जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव, डा. प्रवीन ने कहा कि श्रमिक दिवस पर रक्तदान करके सकारात्मक संदेश दिया गया है। बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक पर एसोसिएशन द्वारा रक्तदान करने वालों को प्रमाण–पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

रक्तदान शिविर में मेडिकल सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव एसोसिएशन के फुजेल अहमद रंजीत कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार उपाध्याय, आदि ने योगदान दिया।

उदयभान पाठक अध्यक्ष, रामलाल तिवारी मंत्री निर्वाचित

–राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन प्रेस क्लब सभागार में प्रान्तीय अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश पाण्डेय के पर्यवेक्षण में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में वक्ताओं ने राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा के साथ पुरानी पेंशन बहाली पर जोर दिया गया। दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी डा. हरीश सिंह और डा. अरविन्द निगम की देख रेख में हुये चुनाव में उदयभान पाठक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रामनरायन चौधरी को 2 मतों से पराजित कर अध्यक्ष बने। मंत्री पद के चुनाव में रामलाल तिवारी ने 24 मतों से राम नरेश तिवारी को पराजित कर जीत दर्ज किया। अन्य पदों पर अध्यक्ष और मंत्री की सहमति से पदाधिकारी मनोनीत किये जायेंगे।

द्विवार्षिक अधिवेशन को पेंशनर्स संघ अध्यक्ष नरेन्द्र उपाध्याय, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, प्रान्तीय अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश पाण्डेय आदि ने सम्बोधित कर एकजुटता पर जोर दिया। संचालन राम प्रकाश सिंह ने किया। मुख्य रूप से दिनेश चन्द्र पाण्डेय, शीतल प्रसाद पाण्डेय, रत्नेश कुमार मिश्र, दिनेश कुमार श्रीवास्तव के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर बीएसए कार्यालय पर गरजे शिक्षक

–मांगे पूरी होने तक जारी रहेगा आन्दोलन – चन्द्रिका सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर गुरुवार को 14 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ी संख्या में शिक्षकों ने संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया और मांगो के समर्थन में गरजे। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा नामित नायब तहसीलदार कमलेन्द्र सिंह तथा प्रभारी बीएसए विनोद त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा।

धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों का शिक्षक संकट के दौर से गुजर रहा है हर रोज मनमाने आदेश जारी होने के साथ ही धीरे–धीरे सारे अधिकार छीन लिए जा रहे हैं। कहा कि शिक्षकों की मांगे यदि नहीं मानी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा और मांगे पूरी होने तक यह जारी रहेगा। जिला मंत्री बाल कृष्ण ओझा और जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि सरकार के तानाशाही रवैए के खिलाफ पूरे प्रदेश के शिक्षक एकजुट हैं। शिक्षकों का शोषण एवं उत्पीड़न चरम पर है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जल्द ही शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

धरने को जिला उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी,शिवप्रकाश सिंह, रवीश मिश्र,विवेककांत पाण्डेय, मुक्तेश्वर यादव,सनद पटेल,अशोक यादव,सुरेश गौड़, हरिओम यादव,प्रमोद सिंह,शुभेंदु सिंह, उमाकांत शुक्ल, अखिलेश पाण्डेय,रामसागर वर्मा,बब्बन पाण्डेय,रीना कन्नौजिया, शिल्पी पाण्डेय,रामभवन यादव,शिवरतन, सत्य प्रकाश कनौजिया,शिक्षा मित्र संघ अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल, अनुदेशक संघ अध्यक्ष अमित सिंह, सहित अन्य पदाधिकारी ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने पुरानी पेंशन बहाली, कोरोना काल में बढ़ाए गए विद्यालय समय को सही करने, 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान के साथ ही मानव संपदा पर त्रुटियों में सरलीकरण, 17140 व 1850 वेतनमान से शिक्षकों को लाभान्वित करने, वरिष्ठता सूची तत्काल जारी करने, नए छात्रों के प्रवेश में आधार कार्ड की अनिवार्यता समाप्त करने, सामान्य अंतर्जनपदीय और अंतः जनपदीय स्थानांतरण, चयन वेतनमान की प्रक्रिया में सरलीकरण करने, 1 अप्रैल 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों को सामूहिक बीमा की व्यवस्था करने, दिव्यांग वाहन भत्ते में वृद्धि करने सहित विभिन्न मांगे उठाई।

धरने में मुख्य रूप से विजय यादव,पवन,शांति यादव,जय श्री पाठक,सुरभि,नंदलाल, बीनू सिंह, गिरजेश सिंह, रजनीश यादव,मंगला मौर्य,गिरजेश दुबे, शैलेश तिवारी,अविनाश दुबे, अमरेंदर सिंह,अटल बिहारी, रवि सिंह,राजेश गिरी, अनुराग श्रीवास्तव, विजय, फारिया जमाल, प्रताप नारायण, अमित सिंह, विजय भारती, उत्तम दूबे, प्रशांत श्रीवास्तव, पारुल यादव, कंचन माला, नीलू द्विवेदी, सुरेंदर यादव, नवीन सिंह, बच्चा राम, मनीष मिश्र,उमाशंकर पाण्डेय, सत्यराम वर्मा, रामपियारे, प्रदीप गुप्ता, शिवनाथ ,वाशुदेव, रमेश विश्वकर्मा, कमालुद्दीन, हरिगोपाल शुक्ल, राम स्वरूप, संतोष पाण्डेय,हीरा लाल मधुकर, लालचंद, वैभव पाण्डेय, भरत लाल,नरोत्तम सिंह,रोहित सिंह, अंकित सिंह,अशोक चौधरी, धर्मेंद्र पाण्डेय,महेंद्र कुमार, चंद्रशेखर पाण्डेय शामिल रहे।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर हमले से आक्रोश, कानून व्यवस्था के सवाल पर गरजे समाजवादीः राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–यूपी की कानून व्यवस्था खतरे में, दलितों की अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं–महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर समाजवादी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन को करणी सेना द्वारा लगातार दिये जा रहे जान माल की धमकी, उनके आवास और काफिले पर हमला, उत्तर प्रदेश में पीडीए समाज के उत्पीड़न की बढती घटनाओं को देखते हुये संविधान और लोकतंत्र की भावना के अनुरूप निर्णय लिये जाय। बूंदा बांदी, बारिश, ओले पड़ने के दौरान हजारों समाजवादी केन्द्र और राज्य सरकार की मनमानी के विरोध में नारे लगा रहे थे। समाजवादी नेता, कार्यकर्ता शास्त्री चौक पर एकत्र हुये और डीएम कार्यालय तक पद यात्रा कर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन देने के बाद सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि सांसद रामजीलाल सुमन पर किया गया हमला भारतीय लोकतंत्र और दलितों की अस्मिता पर हमला है। इससे उत्तर प्रदेश सरकार की दलित विरोधी मानसिकता उजागर हो गयी है। कहा कि करणी सेना द्वारा सत्ता के संरक्षण में जिस प्रकार से अराजकता फैलाया जा रहा है उस पर सरकार और प्रशासन की चुप्पी हैरान करने वाली है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। आये दिन हत्या, लूट, छिनैती की घटनायें बढ रही हैं। थाना, अस्पताल, तहसील आदि में गरीबों की कोई सुनाई नहीं हो रही है। यूपी में कानून का राज खतरे में हैं, ऐसे में राष्ट्रपति स्वतः संज्ञान ले जिससे संविधान और कानून का राज बना रहे।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, विधानसभाध्यक्ष मो. सलीम, राजेन्द्र चौधरी, रन बहादुर यादव, चेयरमैन धीरसेन निषाद, चन्द्र प्रकाश चौधरी, अरविन्द सोनकर के साथ ही समीर चौधरी, गुलाम गौस, विपिन त्रिपाठी, रहमान सिद्दीकी, अजय यादव, अखिलेश यादव, गीता भारती, इन्द्रावती आदि ने एक स्वर से मांग किया कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर जान लेवा हमलों की उच्च स्तरीय जांच कराकर करणी सेना के जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से गुलाब सोनकर, प्रशान्त कुमार यादव, दिनेश तिवारी, राजेन्द्र चौरसिया, इन्द्रजीत यादव, मो. तनवीर, उदय प्रताप यादव, कक्कू शुक्ला, श्याम सुन्दर यादव, तूफानी यादव, हनुमान प्रसाद, अकबर अली, रजनीश यादव, प्रभाकर वर्मा, राकेश चौधरी, युनूस आलम, धर्मराज यादव, संजय गौतम, पंकज निषाद, विशाल सोनकर, गौरीशंकर, रजवन्त यादव, बीरू विश्वकर्मा, रौनक उपाध्याय, पंकज मिश्र, लवकुश गौतम, मंशाराम कन्नौजिया के साथ बड़ी संख्या में सपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 मई 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

बाजार में शिक्षा और सरकार

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन–फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया। उल्लेखनीय है कि इस कानून में उन स्पष्ट प्रवर्तन प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिनके जरिये शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के बीच विवादों को कम किया जा सके। साथ ही यह भी कि निजी स्कूल बेहतर सुविधाओं और शिक्षकों को उच्च वेतन देने के नाम पर फीस वृद्धि को उचित न ठहरा सकें। विडंबना यह है कि स्कूल प्रबंधन अकसर इन्हीं दलीलों को देकर ही फीस में वृद्धि करते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि उनमें से अधिकांश आय–व्यय का विवरण देने से कतराते हैं। फलतः अभिभावक सही जानकारी के अभाव में ठगे जाते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों से शिक्षा व्यवस्था व्यापार का जरिया न बनी रह सकेगी।

आतंकवाद पर असंतुलित बयानों से बचने की जरूरत

– ललित गर्ग–

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड़ जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू–कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सदभाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, ओछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दर्शाते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा–किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनगर्ल, बेतुके एवं राष्ट्र–विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद–पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू–मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने ओछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव–जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत–विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग–अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है। एक–दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी–अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार–बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिस्तान आतंक की प्रयोगशाला है। उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिस्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिस्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए। अब पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। सीमाओं पर लड़ने की ताकत देश के भीतर के इन संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक एजेंडे में खप जायेगी तो हम केवल उस एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों एवं पाकिस्तान का मकसद है– भारत को विभाजित करना। कश्मीर एवं देश में मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सदभाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है। लेकिन इससे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक दलों एवं नेताओं की है कि वे बेतुके बयानों से स्वार्थ की राजनीति का त्याग करें।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पूंजी और श्रम के बीच हितों के अंतर्विरोध

–इंद्रजीत सिंह–

हर साल दुनियाभर में मई दिवस मनाया जाता है। पिछले 140 साल से 1 मई को श्रमिक वर्ग सड़कों पर उतर कर जो संदेश देता है वह कोई रस्म अदायगी नहीं होती। अलबत्ता मेहनतकशों को मई दिवस पर यह अहसास करवाते देखा जा सकता है कि वे भी बतौर नागरिक उतने ही इस दुनिया के हकदार हैं जितना और कोई। बदकिस्मती से इस साल मई दिवस भारत के श्रमिकों को आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ पहलगाम की काली छाया में मनाना पड़ा। विगत में रोजी–रोटी के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूर भी कश्मीर में आतंकवाद का शिकार हुए। आशा करें, शीघ्र स्थिति सामान्य हो, जिंदगी पटरी पर लौटे। महंगाई, बेरोजगारी और अन्य समस्याओं से श्रमिक और वेतनभोगी वर्ग आज बदहाल है। विश्व पूंजीवाद का अभूतपूर्व संकट महाशक्तियों के बीच हो रही खींचतान के रूप में सामने है। इस उठापटक के सबसे ज्यादा भुगतभोगी मजदूर, किसान और छोटे कर्मचारी बन रहे हैं।

जिन विकसित देशों में पहले औद्योगिकरण हुआ उसके परिणामस्वरूप पहली बार जागरूक वर्ग के तौर पर मजदूर वर्ग अस्तित्व में आया। अमेरिका के शहर शिकागो में 1886 में हजारों मजदूरों ने अधिकतम 8 घंटे के काम की मांग को उठाते हुए एक स्थान पर एकत्रित होकर अपनी आवाज बुलंद की थी। भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन 1925 में तत्कालीन मद्रास में सिंघारावेलू चेट्टियार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसका संदेश ब्रिटिश साम्राज्य और पूंजीवाद से मुक्ति पाना था।

काफी लोग मानते आए हैं कि 1 मई के विरोध प्रदर्शन पर की गई पुलिस फायरिंग में 8 मजदूर शहीद हुए जिन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। परंतु वास्तव में हुआ यह था कि 1 मई की सभा के दो दिन बाद 3 मई को उसी स्थान पर एक फैक्टरी में की गई तालाबंदी के खिलाफ हड़ताली मजदूरों की शांतिपूर्वक जारी सभा के अंत में षड्यंत्र के तहत किसी एजेंट ने पुलिस पर फायरिंग की जिसमें एक श्रमिक शहीद हो गया। मजदूरों का नेतृत्व करने वाले 8 नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिये गए और आनन–फानन में 6 श्रमिक नेताओं को फांसी दे दी गई। एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा दी और एक अन्य जेल में मृत पाया गया। मनघड़ंत अभियोग के कारण यह मुकदमा ऐतिहासिक माना जाता है।

दरअसल, मुकदमे में नामजद किए गए 8 में से 6 श्रमिक नेता उस दिन घटनास्थल पर उपस्थित ही नहीं थे। जिस श्रमिक नेता की फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील किया गया उसे 6 साल बाद इलीनोई के गवर्नर ने यह कह कर बरी कर दिया कि दंडित किए गए किसी भी अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। पूंजी और श्रम के बीच हितों के बुनियादी अंतर्विरोध के चलते अपने श्रम का उचित मूल्य मांगने वाले श्रमिकों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से जो हिंसक और दमनकारी हथकंडे अपनाये जाते हैं वे आज भी असामान्य बात नहीं।

आधुनिक जीवन सामाजिक उत्पादन से चलता है। उत्पादन करने वाले बुनियादी वर्ग मजदूर, किसान व अन्य वे लोग हैं जो अपनी मेहनत करके आजीविका चलाते हैं। इनके अलावा वे तबके जो सेवा क्षेत्र में काम करते हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जनकल्याण आदि। सेवा क्षेत्र से सामाजिक उत्पादन संभव हो पाता है व समाज को बुलंदियों की ओर ले जाता है। नई तकनीक भी समाज के निरंतर व सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल होती है।

जो भी प्रौद्योगिकी या तकनीक समाज विकसित करता है वह कष्टों को कम कर जीवन सुगम बनाने को करता है। विडंबना यह कि पूंजीवादी व्यवस्था में तकनीक के ऊपर पूंजीपति का नियंत्रण होने के कारण उसी तकनीक का प्रयोग न केवल श्रमिकों की संख्या घटाने और शोषण बढ़ाने में किया जाता है बल्कि श्रमिक को उत्पादन प्रक्रिया से हटाकर बेरोजगारी में धकेला जाता है। आज यह प्रक्रिया चरम पर है।

देश में सकल उत्पादन में जो शुद्ध मूल्य वर्धन अर्जित होता है उसमें मालिकों के मुनाफे का अंश लगातार बढ़ रहा है और श्रमिकों या कर्मचारियों के वेतन का अंश घट रहा है। मुनाफे का हिस्सा 2020 में 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 51.9 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में वेतन का हिस्सा 18.9 प्रतिशत से घटकर 15.9 प्रतिशत रह गया। इससे भयंकर आर्थिक विषमताएं पैदा हो गई हैं और भारत दुनिया का सबसे गैर–बराबरी वाला देश है। फिर भी श्रम कानूनों को तिलांजलि देकर कार्पोरेट परस्त चार श्रम संहिता (लेबर कोड) संसद में पास कर दिए गये। जो श्रमिकों यूनियनों के विरोध के कारण लागू नहीं हो सके।भयानक बेरोजगारी और आमदनी के घटने से लोगों की खरीद शक्ति बहुत कम हो गई है। बाजारों में ठहराव है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और कार्पोरेट सेक्टर अपने मुनाफे को उच्चतम स्तर पर रखने के लिए श्रमिकों के वेतन व अन्य सुविधाओं में कटौती करने पर आमादा रहता है। वह रोजगार को अनौपचारिक और ठेका प्रथा पर ले आया है। इसके विपरित गुलामी प्रथा की ओर धकेला जा रहा श्रमिक वर्ग रोजगार की ऐसी परिस्थितियों के लिए संघर्ष की ओर बढ़ेगा जो न्यूनतम गरिमापूर्ण अस्तित्व के लिए पर्याप्त हों। यह अंतर्विरोध दुनियाभर में देखा जा सकता है। 90 प्रतिशत से भी अधिक श्रमिक आज भारत में असंगठित क्षेत्र में आते हैं जिनका हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। इनमें परियोजना और 'गिग' वर्कर भी शामिल हैं। मई दिवस किसान मजदूर एकता, परस्पर सदभाव की भावना के पक्ष में और साम्राज्यवाद व कारपोरेट गठजोड़ आदि को चुनौती देते हुए अपने लिए एक गरिमामय जीवन का संदेश लिए हुए है।–लेखक किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

रेटपेयर्स की सक्रिय भागीदारी और अर्थव्यवस्था

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

भले ही आज हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की दस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो व जीडीपी रेंकिंग में इस साल हम विश्व की तीसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी में हैं पर अर्थ व्यवस्था के तेजी से विकास के लिए रेटपेयर्स की भागीदारी बढ़ाने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। फ्रीबीज के जमाने में केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ द्वारा एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक वृद्धि के लिए रेटपेयर्स को प्रोत्साहित करना जरुरी बताया है। दरअसल एक और राजनीतिक दलों द्वारा ऐन केन प्रकारेण सत्ता के स्वाद चखने की चाह पूरी करने के लिए लोकलुभावन फ्रीबीज सुविधाओं की घोषणाएं दर घोषणाएं की जा रही है तो दूसरी और देश को 2025 में जीडीपी रेंकिंग के अनुसार दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की चुनौती सामने है। अर्थव्यवस्था का सीधा सीधा गणित यह है कि एक तो करदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से कर के रूप में सीधे सीधे आय सरकार को प्राप्त होती है तो दूसरी और सरकार अपनी विकास योजनाओं को अमलीजामा पहुंचाने के लिए उधारी के रूप में देखते हैं तो तीसरा प्रमुख स्रोत रेटपेयर्स होते हैं। देश का सेविंग पूल इन्हीं से बनता है। अब जहां तक आयकर का प्रश्न है तो आधार और पेनकार्ड के चलते अब आयकर के दायरें से तो कोई बच भी नहीं सकता। खासतौर से नौकरीपेशा या निश्चित पगार पाने वालों का तो आयकर सीधे सीधे और बिना किसी छीजत के सरकार को प्राप्त हो ही जाता है। इसमें किसी तरह की चोरी की संभावना भी लगभग ना ही है। लगभग यही स्थिति जीएसटी के बाद देखने को मिल रही है और साल दर साल जीएसटी संग्रहण में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

दरअसल जब स्थानीय स्वशासन की परिकल्पना की गई थी तो उसके साथ यह भी था एक समय आते आते यह संस्थाएं अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए सरकार पर निर्भर ना रहकर आत्मनिर्भर हो जाएगी और इन संस्थाओं को सरकार के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। पर एक और यह तो सपना ही बनकर रह गया दूसरी और राजनीतिक दलों ने फ्रीबीज का ऐसा चलन चलाया कि रेटपेयर्स की भूमिका कम से कम होती जा रही है। दरअसल रेटपेयर्स का प्रयोग सबसे पहले 1845 में माना जाता है। रेटपेयर्स की भूमिका को हम इसीसे अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि न्यूजीलैण्ड सहित अनेक देशों में तो रेटपेयर्स अपने हितों की रक्षा के लिए एसोसिएशन बनाकर आगे आ रहे हैं। हमारे देश में हालात इससे विपरीत है। हमारे यहां तो पिछले कुछ सालों में रेटपेयर्स की सहभागिता दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। संभवतः यही चिंता का कारण बन रहा है केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ के अनुसार।

रेटपेयर्स से सीधा सीधा अर्थ सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में जो बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है उससे विकास या बेहतर सेवाओं के लिए राशि प्राप्त की जा सके। बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन या इसी तरह की सेवाएं इसके दायरें में आती है। चुनावी वादों के चलते सरकार द्वारा बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि को कम–ज्यादा पर फ्रीबीज के दायरें में प्रमुखता से ला रही है। पेंशन योजनाएं और फ्री राशन, सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं, सीनियर सिटीजन व अन्य को राहत या अन्य दूसरी इसी तरह क निर्णय रेटपेयर्स की अर्थ व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं।

लोकतंत्र में समान अवसर और आर्थिक रुप से पिछड़े लोगों को विकास की धारा से जोड़ने के लिए अनुदानित योजनाओं का संचालन सरकार के लिए आवश्यक हो जाता है। संवेदनशील और लोकहितकारी सरकार के लिए यह आवश्यक भी हो जाता हैं। पर इसका मायना यह नहीं होना चाहिए कि सार्वजनिक सुविधाओं के लिए सरकार द्वारा जो राशि कर या अन्य रुप में प्राप्त की जाती है वह नहीं मिले और उसका भार भी ईमानदार कर दाताओं पर पड़े तो यह किसी भी हालत में सही नहीं कहा जा सकता है। फिर सरकार को सक्षम और कम सक्षम में कहीं ना कहीं अंतर करके ही चलना ही होगा। केन्द्रीय वित सचिव की मंशा कहीं ना कहीं यही होगी कि फ्रीबीज के कारण जो रेटपेयर्स की अर्थव्यवस्था में भागीदारी दिन प्रतिदिन कम हो रही है उसपर ध्यान देना आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि समाज की मुख्यधारा से वंचित लोगों को सहायता दी जाए पर इसका मतलब यह भी नहीं होना चाहिए कि मुख्यधारा से वंचित के नाम पर आर्थिक दृष्टि से सक्षम लोगों या परिवारों को भी यह सुविधाएं दी जाएं। इससे होता यह है कि जो आम करदाता है वह तो अपने आपको ठगा महसूस करता ही है वहीं कहीं ना कहीं समाज में गेप भी बढ़ता है। इसके अलावा आर्थिक विकास में जो जनभागीदारी होनी चाहिए वह भी बाधित होती है। ऐसे में फ्रीबीज की राजनीति के बीच रेटपेयर्स की भागदारी को भी बढ़ाना ही होगा जिससे अर्थव्यवस्था का मल्टिपल विकास संभव हो सके। आज के लाभार्थियों को भी अर्थ व्यवस्था के व्यापक हित में समझना होगा।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी पशु तस्कर गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद, एक फरार

संवाददाता–श्रावस्ती। घुड़दौरिया गांव के निकट बुधवार रात पुलिस व एसओजी टीम की 25 हजार के इनामिया शातिर से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान शातिर के पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उसका एक साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तार शातिर के कब्जे से पुलिस ने देशी तमंचा व कारतूस बरामद किया।

एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव को सूचना मिली कि कुछ पशु तस्कर मल्हीपुर के लक्ष्मणपुर कोठी के निकट राप्ती नहर पटरी से घुड़दौरिया गांव की ओर जा रहे हैं। शायद यह लोग कहीं पशु चोरी की फिराक में हैं। इस पर एसओजी प्रभारी ने मल्हीपुर थाना प्रभारी आशीष कुमार सहित अन्य पुलिस बल के साथ मिलकर रात करीब 02रू15 बजे घेराबंदी की। पुलिस से घिरता देख किसी बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने भिनगा के लोखडियनपुरवा निवासी मंगल पुत्र शंकर को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं, इसका दूसरा साथी पुलिस टीम को चकमा देकर भागने में सफल रहा। घायल मंगल को सीएचसी मल्हीपुर ले जाया गया। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि मौके से भागे सिपाही लाल यादव पर 10 हजार का इनाम घोषित है। उसकी तलाश की जा रही है।

गिरफ्तार मंगल के कब्जे से एक 315 बोर तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद किया गया है। इस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इसके विरुद्ध पशु क्रूरता अधि ानियम सहित जिले के थानों में चोरी, एनडीपीएस एक्ट, गैंगस्टर व शस्त्र अधिनियम के नौ केस दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई कर जेल भेजा जा रहा है।

सपा सांसद हमले का विरोधः राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद के भिनगा में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन पर हमले की बात कहते हुए विरोध में प्रदर्शन किया।वहीं सपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा।

सपा का आरोप है कि करणी सेना पिछले कई सप्ताह से सांसद सुमन को जान–माल की धमकियां दे रही है।आरोप है की बीते 27 अप्रैल 2025 को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ़ में उनके काफिले पर हमला भी किया गया।आरोप है की इस हमले में वाहन क्षतिग्रस्त हुआ और कुछ लोग घायल हुए। सपा श्रावस्ती के सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि दलित सांसद पर हमले और पथराव के मामले में प्रदेश सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अभी तक एक भी मामला दर्ज नहीं किया है।

कार्यक्रम में जातीय जनगणना का मुद्दा भी उठा। सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जातीय जनगणना के पक्ष में रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द ही जातीय जनगणना करानी चाहिए। इस विरोध प्रदर्शन में सपा जिला अध्यक्ष सर्वजीत यादव, सपा सांसद राम शिरोमणि वर्मा, भिनगा विधानसभा की सपा विधायक इंद्राणी वर्मा और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवागत डीएम ने विकास कार्यों का किया भौतिक निरीक्षण, बुद्ध की लेटी प्रतिमा का किया दर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और पर्यटन विभाग की ओर से कराए जा रहे करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों को तय समय में गुणवत्ता और मानक के अनुसार काम पूरा करने का निर्देश दिया। इसके पूर्व वह मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में लेटी महात्मा बुद्ध की प्रतिमा का दर्शन किया और ऐतिहासिक व प्राचीनता से रू–ब–रू हुए। कई ऐसी परियोजनाएं हैं जो पर्यटन विभाग के जिम्मेदारों के चलते समय बीतने के बाद भी पूरी नहीं हुई है। महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बृहस्पतिवार अपराह्न पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने समयबद्ध तरीके से मानक और गुणवत्ता के साथ 24 महीने में पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने ठेकेदार और कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से तय लक्ष्य के साथ काम करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय की भूमि और मानचित्र

का भी अवलोकन किया। मौजूदा समय में चिह्नित व स्वीकृत भूमि पर 353 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार वेंसा इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है। नोडल आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या के कुलपति प्रो.बिजेंद्र सिंह हैं।

इसके पहले डीएम ने राजकीय बौद्ध संग्रहालय परिसर में 17 करोड़ से अधिक की लागत से निर्माणाधीन बुद्धा थीम पार्क के कार्यों को देखा। परियोजना की उपयोगिता, गुणवत्ता और समयबद्ध ढंग से काम कराने को कहा। रामाभार स्तूप व चिल्ड्रेन पार्क में लंबित पड़े 11.97 करोड़ के साउंड एंड लाइट शो के पूरा न होने पर जिम्मेदारों को कड़ी फटकार लगाई। इसके अलावा बौद्ध कालीन हिरण्यवती नदी के बुद्धा घाट से देवरिया रोड स्थित रामाभार पुल तक के 23.81 करोड़ की लागत से चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का भी भ्रमण कर जायजा लिया। इसे हर हाल में निर्धारित समय 2026 में गुणवत्ता व मानक के साथ पूरा करना होगा। इस मौके पर सीडीओ गुंजन द्विवेदी, एसडीएम आशुतोष कुमार, तहसीलदार धर्मवीर सिंह, पर्यटन सूचना अधिकारी डा. प्राण रंजन, यूपीपीसीएल के परियोजना निदेशक मनोज शर्मा , सहायक परियोजना निदेशक नीरज पांडेय समेत गणमान्य लोग मौजूद थे।

शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली समेत 15 मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों ने प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय भिनगा पर धरना दिया। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा।

संघ के जिला अध्यक्ष विनय पांडेय ने 14 सूत्रीय मांगों का विवरण दिया। इनमें पुरानी पेंशन की बहाली, सामान्य अंतर्जनपदीय स्थानांतरण और आकांक्षी जनपदों से स्थानांतरण शामिल हैं। अंतर्जनपदीय स्थानांतरण में शिक्षक की सेवा अवधि को 50 प्रतिशत भारांक के अंतर्गत रखने की मांग की गई है।

जिला मंत्री सत्य प्रकाश वर्मा ने कोरोना काल में बढ़ाए गए विद्यालयी समय को कम करने की मांग रखी। उन्होंने 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 2005 से बंद प्रोन्नत वेतनमान की बहाली की मांग भी की। साथ ही मानव संपदा पोर्टल पर अवकाशों के अंकन की प्रक्रिया को सरल बनाने और छात्रों के प्रवेश में आधार कार्ड की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की।

धरने में जिलाध्यक्ष विनय पांडेय, जिला मंत्री सत्य प्रकाश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष हरीश कुमार, ब्लॉक अध यक्ष अनूप श्रीवास्तव, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और जनपद स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

चली धूल भरी आंधी, आम की फसल को नुकसान

संवाददाता–बलरामपुर। गुरुवार दोपहर 12 बजे अचानक तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी आ गई। इससे पूरे जिले में अफरा–तफरी मच गई। धूल भरी हवाओं के कारण सड़कों पर दृश्यता काफी कम हो गई। वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खुले में घूम रहे लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कई जगहों पर पेड़ की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं। इससे यातायात बाधित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, जिले का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हवा की गति लगभग 23 किलोमीटर प्रति घंटे रही। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही थी। इस आंधी से तापमान में थोड़ी गिरावट आई है।

किसानों के लिए यह मौसम बदलाव चिंता का विषय है। तेज आंधी से आम की फसलों को नुकसान होने की आशंका है। बागों में कच्चे आम झड़ने लगे हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। सुरक्षित स्थानों पर ही रहने की सलाह दी गई है।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे गुरुदेव भगवान -सर्वेश्वर दास शरद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। अयोध्या के प्रतिष्ठित श्री राजगोपाल मंदिर के पूर्वाचार्य महंत कौशल किशोर शरण फलाहारी महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि पर अयोध्या के सभी संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि श्री महाराज जी मूर्धन्य विद्वान थे और सनातन संस्कार वैष्णव परंपरा के संरक्षण के साथ–साथ समालोचक भी थे। श्री महाराज जी निरंतर अपने अमृतमई वचनों द्वारा समाज को नई दिशा देने का कार्य करते रहते थे युवा संतो के साथ–साथ युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे क्योंकि युवाओं को तार्किक उत्तर अयोध्या में श्री महाराज जी द्वारा ही मिलता था महाराज जी के अयोध्या ही नहीं बल्कि देश में अनेकों शिष्य हैं जो समाज को उनके पदचिन्हों चलते हुए नई दिशा देते रहते हैं। संतों का स्वागत महंत सीताराम शरण दास और अधिकारी सर्वेश्वर दास शरद जी महाराज ने किया।

गुरुदेव भगवान को याद करते हुए सर्वेश्वर दास महाराज ने बताया कि श्री गुरुदेव भगवान हमारे ही नहीं बल्कि हमारे जैसे हजारों युवाओं के आदर्श थे और जब कहीं समाधान नहीं मिलता था तो गुरुदेव भगवान के पास सभी प्रश्न का उत्तर होता था कभी भी कोई व्यक्ति यहां से निराश होकर के नहीं गया कि उसके प्रश्न का उत्तर तार्किक सामाजिक एवं धार्मिक रूप से ना मिला हो आज गुरुदेव भगवान की प्रथम पुण्यतिथि पर अयोध्या के साथ–साथ पूरे देश से संत महंत शिष्य पारिकर आए जिनका स्वागत सम्मान किया गया। श्री महाराज जी की श्रद्धांजलि सभा में मणिरामदास छावनी उत्तराधि ाकारी महंत कमलनयन दास, श्री लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण, श्री हनुमत निवास के महंत मिथिलेश नंदनी शरण,तीन कलसा तिवारी मंदिर के महंत महापौर गिरीशपति त्रिपाठी,हनुमत सदन महंत अवधकिशोर शरण, बड़ाभक्तमाल महंत अवधेश कुमार दास, महंत विवेकाचारी, चौबुर्जी महंत बृजमोहन दास, सरपंच रामकुमार दास, महंत बलराम दास, डाड़िया महंत गिरीश दास, महंत अर्जुन दास, जानकी कुंज महंत वीरेंद्र दास, महंत रामबिहारी शरण, महंत आशुतोष दास, महंत सीताराम दास, महंत रामलोचन शरण, महंत वीरेंद्र दास, महंत रामप्रिया शरण, महंत गंगादास, स्वामी छविरामदास दास सहित सैकड़ो संतो महंत ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री राम कृपा धाम का हुआ भूमि पूजन, दर्जनों संत महंत हुए सम्मिलित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग स्थित मौनी बाबा क्षेत्र में श्री रामकृष्ण कृपा धाम का हुआ भूमि पूजन, भगवान शिव की 108 फीट ऊंची प्रतिमा की होगी स्थापना साथ ही साथ राम दरबार के साथ अन्य देवी देवताओं को भी आश्रम में किया जाएगा स्थापित। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास ने कहा कि रामनगरी में भगवान शिव की 108 फुट की मूर्ति स्थापित होगी। इससे राम व शिव की अभिन्नता भी प्रतिपादित होती नजर आएगी। अयोध्या विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन नगरी बन रही है। जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि श्री रामकृष्ण कृपा धाम का प्रकल्प साधु–संत व जरूरतमंदों की सेवा का केंद्र बनेगा इसकी पूरी उम्मीद है। महंत रामदास नाका हनुमानगढ़ी ने कहा कि आज अयोध्या नित नए वैभव को प्राप्त कर रही है। यह शिव मंदिर अयोध्या के वैभव में चार लगाने का काम करेगा। विहिप के चांद केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज ने कहा कि राम परिक्रमा मार्ग के पास श्री रामकृ ष्ण कृपा धाम का हुआ भूमि पूजन मंदिर निर्माण से अयोध्या का वैभव बढ़ेगा। अब शिव मंदिर भी बनने जा रहा है, इससे अयोध्या में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।ट्रस्ट के प्रधान अध यक्ष बृजेंद्र गुप्ता ने बताया कि भगवान शंकर की 108 फुट की मूर्ति के अलावा खाटू श्याम जी की मूर्ति स्थापित होगी। यह जयपुर में बन रही है। राधा कृष्ण, राम दरबार, रानी सती का मंदिर भी बनेगा। भूमि पूजन की अध्यक्षता महंत कमलनयन दास ने की। इस अवसर पर महंत रामजी शरण, महंत जनार्दन दास, महंत गिरीश दास, महंत शशिकांत दास, महंत मनीष दास, सत्यनारायण मित्तल, भगवान बंसल, एसके हवेलिया, आचार्य गणेश शर्मा राजकुमार अग्रवाल, अरविंद मिश्र समेट अन्य मौजूद रहे।

सरकारी भूमि पर बने सात और मदरसे हुए सील, अब तक 41 मदरसे किए गए सील

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में बगैर मान्यता व सार्वजनिक भूमि पर संचालित मदरसों पर कार्रवाई जारी है। बृहस्पतिवार को पुलिस टीम की ओर से जमुनहा तहसील क्षेत्र में सात मदरसों को सील किया गया। इसके साथ ही जिले में अब तक सील हुए मदरसों की संख्या 41 पहुंच चुकी है।

शासन के निर्देश पर नेपाल सीमा क्षेत्र में संचालित मदरसों की जांच लगातार जारी है। इसके साथ ही जारी है उन्हें सील करने की कार्रवाई। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को नायब तहसीलदार जमुनहा विजय प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में गिरंट पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम रामपुर बस्ती के मजरा बस्ती पुरवा में कब्रिस्तान की भूमि पर स्थित मदरसा दारुल उलूम गौसिया फैजाने रजा को सील किया।

इसके बाद टीम ने रामपुर बस्ती के ही मजरा मंशापुरवा में ग्राम समाज की भूमि पर बना मदरसा गौसिया ताजुल उलूम, रामपुर बस्ती गांव में कब्रिस्तान की भूमि पर स्थित मदरसा गाजिया अनवारे रजा, नंगई में नवीन परती की भूमि पर बना मदरसा गौसिया फैजाने रजा शमशुल उलूम, बेगमपुर के हसनपुर में खलिहान की भूमि पर बने मदरसा गौसिया जियाउल कुरान, आलागांव में नवीन परती की भूमि पर बना मदरसा गुलशने मदीना, बनकटवा महोली में खलिहान की भूमि पर बना मदरसा गौसिया निशबाहुल उलूम को सील किया। विदित हो कि जिले में अब तक कुल 41 मदरसों को सील किया जा चुका है। यह कार्रवाई अभी जारी है। ऐसे में कई और मदरसों पर भी कार्रवाई संभव है।

गेहूं खरीद केंद्र का बलरामपुर डीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल ने गुरुवार को नवीन मंडी समिति परिसर में चल रहे गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। मंडी में तीन गेहूं क्रय केंद्र चल रहे हैं। डीएम ने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत की। किसानों ने बताया कि उन्हें गेहूं बेचने में कोई परेशानी नहीं हो रही है और व्यवस्था अच्छी है। डीएम ने किसानों की सुविधा के लिए कई निर्देश दिए। उन्होंने केंद्रों पर बैठने की उचित व्यवस्था और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। किसानों को उपज का भुगतान 48 घंटे के भीतर करने के आदेश दिए। एक महत्वपूर्ण फैसले में डीएम ने घोषणा की कि अब किसान अपनी उपज घर पर भी बेच सकेंगे। क्रय केंद्र की टीम किसानों के घर जाकर उपज खरीदेगी। इससे किसानों को मंडी आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर और भुगतान रजिस्टर की जांच की गई।

सीएमओ ने अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोका, साफ–सफाई पर भी दिया सख्त निर्देश

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अमरहवा और बघनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद सीएमओ ने अनुपस्थित कर्मचारियों के वेतन पर रोक लगाने का आदेश दिया।

निरीक्षण के दौरान अमरहवा पीएचसी पर डॉ. मोहम्मद सलमान खान (प्रभारी चिकित्सा अधिकारी), ऊषा देवी (एलएचवी), बबिता वाल्मीकि (सफाईकर्मी) और राजन पाल (लैब टेक्नीशियन) समेत अन्य कर्मचारी मौजूद थे। वहीं, बघनी पीएचसी में डॉ. ललिता जायसवाल, सोनी देवी, निधि पाण्डेय, सुशीला चौधरी, स्वतंत्र कुमार, बृजेश सिंह, रुक्मणि पाण्डेय, पुष्पलता श्रीवास्तव, और महिला

चिकित्सा अधिकारी डॉ. नमिता अनुपस्थित पाए गए।

सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने मौजूद स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को बाहर की दवाएं या जांच न लिखी जाएं। अस्पताल में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही, सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करने की हिदायत दी गई।

निरीक्षण के दौरान ओपीडी में कुल 128 मरीजों का इलाज किया गया और 16 मरीजों की पैथोलॉजी जांच की गई। इस दौरान जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा और डॉ. आलोक कुमार चौधरी भी सीएमओ के साथ उपस्थित रहे।

सपा का विरोध मार्चः राज्यसभा सांसद पर हमले के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता

संवाददाता–बलरामपुर। राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर हुए हमले के विरोध में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया।

जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में लगभग 40 कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें हमले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई। सपा नेताओं का आरोप है कि भाजपा सरकार में दलित नेताओं और कमजोर वर्गों पर हमले हो रहे हैं। उनका कहना है कि यह हमला पूरे दलित समाज की आवाज दबाने का प्रयास है।

गैसड़ी से सपा विधायक राकेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि करणी सेना जैसे संगठनों को खुली छूट मिली हुई है। ये संगठन संविधान और लोकतंत्र को चुनौती दे रहे हैं। विधायक ने सरकार पर दलित विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने भाजपा विरोधी नारे लगाए। उनके हाथों में तख्तियां थीं। इन पर भाजपा को दलित और मुस्लिम विरोधी बताया गया था। सपा नेताओं ने दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, एसडीएम की कार्यशैली पर लगाए आरोप

संवाददाता–गोण्डा। तरबगंज तहसील में न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गई है। वादकारियों को न्यायालय में अपने प्रार्थना पत्रों के लिए भटकना पड़ रहा है। उप जिला अधिकारी की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ता कई दिनों से एसडीएम कोर्ट का बहिष्कार कर रहे हैं। तहसील में जनसुनवाई का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। कई पटल बंद हैं और संबंधित पटल प्रभारी अनुपस्थित रहते हैं। कार्यालय और कोर्ट के खुलने का कोई निश्चित समय नहीं है। गुरुवार को तहसील तरबगंज में तहसीलदार कोर्ट सहित अन्य कोर्ट पर ताला लटका मिला। बार एसोसिएशन तरबगंज के तहसील महामंत्री रविंद्र नाथ पांडे, आजाद सिंह, संजय प्रजापति और जटाशंकर सिंह सहित अन्य अधिवक्ता विरोध में शामिल हैं।

बिजली कर्मियों का निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। जिले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। जहां सैकड़ो की संख्या में पूरी देवी पाटन मंडल के बिजली कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी भी की है। केंद्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर आयोजित इस विरोध ा प्रदर्शन कार्यक्रम में दक्षिणांचल व पूर्वांचल डिस्कॉम के 42 जिलों में निजीकरण का विरोध किया गया।

विशेष मुख्य अभियंता कार्यालय से निकली विरोध रैली का नेतृत्व गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती व अयोध्या जिलों के संगठन पदाधि ाकारियों ने किया। यह विरोध प्रदर्शन मोटरसाइकिल रैली कार्यालय से निकाल कर के पूरे शहर में होते हुए मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंची है इसका समापन किया गया।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के क्षेत्रीय संयोजक पंकज राठौर ने कहा कि विद्युत वितरण प्रणाली का निजीकरण जनविरोधी है। इससे किसानों व गरीब उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर निजीकरण की प्रक्रिया नहीं रोकी गई तो आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन में इं. विपिन कुमार यादव, इं. रमेश यादव, इं. सुरेंद्र कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। बीजक कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री रामकुमार यादव, जिला अध्यक्ष लाल मोहन और उपाध्यक्ष मनोज सिंह इस्राईली भी शामिल हुए।कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर निजीकरण का विरोध जारी रखने का संकल्प लिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में निजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बरात से घर लौट रहे युवक की हादसे में मौत, मौसेरा भाई घायल

संवाददाता–महराजगंज। बुधवार की देर रात कुशीनगर से बरात से घुघली लौट रहे दो युवकों की बाइक घुघली–कप्तानगंज मार्ग पर स्थित पटखौली रेलवे क्रासिंग के किनारे पोल से टकरा गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसका मौसेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। जानकारी के अनुसार, घुघली थाना क्षेत्र के पौहरिया गांव से बुधवार को कुशीनगर जनपद के बोदरवार में बरात गई थी। इसमें शामिल घुघली थाना क्षेत्र के पौहरिया निवासी तारकेश्वर (24) और कुशीनगर जनपद के खड्डा थाना अंतर्गत लक्ष्मीपुर निवासी नागेश्वर (22) खाना खाकर एक ही बाइक से देर रात घर लौट रहे थे।

अभी वह पटखौली पहुंचे थे कि उनकी बाइक अनियंत्रित होकर रेलवे क्रॉसिंग के किनारे पोल से टकरा गई, जिससे बाइक चालक तारकेश्वर की सीएचसी घुघली में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं नागेश्वर को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। तारकेश्वर अपने परिवार का इकलौता चिराग था। वह बाहर रहकर पेंटिंग का काम करता था। अभी 20 दिन पहले ही घर आया था। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

फायरिंग कर भाग रहा बदमाश गोली लगने के बाद गिरफ्तार, 2 ने किया सरेंडर

संवाददाता—गोरखपुर। गुरुवार की सुबह—सुबह एक बार फिर एनकाउंटर हुआ है। गोरखपुर के मोहद्दीपुर में गुरुवार की भोर में पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया जबकि दो अन्य साथी पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। गोली से घायल बदमाश की पहचान शंभू गौड के रूप में हुई है वह महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र स्थित मुजरी गांव का रहने वाला है। वहीं उसके साथी शेखर और हुसैन हैं। दोनों क्रमशः चिलुआताल और गोरखनाथ इलाके के रहने वाले हैं।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि गुरुवार की भोर में करीब 3.45 बजे मोहददीपुर में पुलिस गश्त कर रही थी उसी दौरान आटोरिक्शा पर सवार तीन संदिग्ध युवक जाते हुए दिखे। पुलिसवालों ने उन्हें रूकने का इशारा किया पर आटो सवार हाइडिल कालोनी में भागने लगे पीछा करने पर आटो रिक्शा सवार युवकों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें अभियुक्त शम्भू प्रसाद गौड पुत्र शंकर गौड निवासी मुजरी थाना पनियरा जिला महराजगंज के पैर मे गोली लगने से घायल हो गया।

इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मौके से भाग रहे शेखर पुत्र रमेश निवासी नकहा बरगदवा थाना चिलुआताल और हुसैन पुत्र शहनाज निवासी धर्मशाला बाजार थाना गोरखनाथ ने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि तीनों लूट की वारदात को अंजाम देकर निकल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से सोने के गहने और रुपये भी बरामद किए हैं।

पुलिस ने शंभू प्रसाद के पास से एक देशी तमंचा 32 बोर व दो खोखा व एक कारतूस व एक मंगलसूत्र पीली धातु व 2800 रुपये बरामद किया है। जबकि शेखर के पास से एक चेन 2500 रुपए और हुसैन के पास से तीन साड़ी व मेकअप का सामान व 2500 रुपए बरामद किया है। लूट में इस्तेमला आटोरिक्शा को भी पुलिस ने जब्त किया है।

स्थायी लोक अदालत में भी होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में जिला विधिक प्राधिकरण के नवागत सचिव देवेन्द्र नाथ गोस्वामी एवं स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष इश्तियाक अली के बीच बैठक हुई। जनपद न्यायालय परिसर में स्थित एडीआर भवन में न्यायालय स्थायी लोक अदालत का संचालन होता है, जिसमें पीड़ित अथवा आवेदक अपने मामलों का समाधान मात्र एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके सुलह—समझौता के माध्यम से करवा सकता है। इस न्यायालय में अन्य न्यायालयों की तरह अधिवक्ता अथवा वकालतनामा की आवश्यकता नहीं होती। उक्त बातें स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष इश्तियाक अली ने कहीं। अध्यक्ष ने बताया कि स्थायी लोक अदालत में जनहित सेवाओं से संबंधित विभाग जैसे बिजली, पानी, अस्पताल आदि से संबंधित मामलों को मुकदमें दायर करने से पहले आपसी सुलह से निपटाने के लिए राज्य प्राधिकरण द्वारा स्थायी लोक अदालतों की स्थापना की गई है।

त्वरित एवं सुलभ न्याय के लिए 10 मई 2025 को स्थाई लोक अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जनपद वासियों से अपील किया कि कोई भी पक्ष जिसका संबंध इन जनहित सेवाओं से है वह इन विवादों को निपटाने के लिए स्थायी लोक अदालत में निस्तारण के लिए आवेदन कर सकता है। सबसे पहले विवाद को आपसी सुलह के द्वारा सुलझाने का प्रयास किया जाता है और सहमति के बाद अवार्ड पास कर दिया जाता है। इसके फैसले के विरुद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती।

ट्रक से टकराई रोडवेज बस, देवरिया—प्रयागराज के 2 यात्रियों की मौत, कई घायल

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर—वाराणसी हाईवे पर गुरुवार की भोर में सड़क हादसे में रोडवेज बस में सवार एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई जबकि पांच घायल हैं। उनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों का इलाज अलग—अलग अस्पतालों में चल रहा है। हादसे की वजह फोरलेन के किनारे खड़ी बालू लदी ट्रक रही। गोरखपुर की तरफ आ रही यह बस उसी ट्रक से टकरा गई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मृतकों में रिंकी सिंह पत्नी अरुण सिंह निवासी मुंडेरा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज की रहने वाली हैं वह अपने दो बेटों के साथ देवरिया में शादी समारोह में जा रही थीं। एक बेटा आदर्श घायल है। वहीं एक अन्य मृतक में नितेश यादव पुत्र सत्यदेव निवासी परसा नारायनपुर जनपद देवरिया यह किसी काम से प्रयागराज गए थे।

दोहरीघाट डीपो की रोडवेज की बस प्रयागराज से गोरखपुर आ रही थी। गोरखपुर—वाराणसी हाईवे पर गीडा थाना क्षेत्र के बाघागाड़ा जीतपुर के पास यह हादसा हुआ। सड़क के किनारे खड़े ट्रक में बस टकरा गया। जिससे एक हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। उस तरफ बैठे यात्रियों को काफी चोट आई है। यहां पहले भी इस तरह का हादसा हो चुका है। यहां के हादसे की वजह सड़क के किनारे लाइन से खड़ी होनी वाली गाड़ियां है। पूर्व के हादसे के बाद कुछ दिन गाड़ियों को हटवाया गया था लेकिन एक बार फिर यह खड़ी होने लगी थी।

हादसे की वजह फोरलेन के किनारे खड़ी गाड़ियां पहले भी बनी थी और उन्हें हटाने का मुद्दा उठ चुका था।

ट्रैफिक पुलिस कई बार गाड़ियों को हटवा भी चुकी है लेकिन फिर वहां गाड़ियां लग ताजी है। रात में थोड़ी से असावधानी से हादसा हो जाता है। जहां दुर्घटना हुई है यह इलाका गीडा थाना क्षेत्र में आता है जबकि सीमा बेलीपार थाने से लगा हुआ। बेलीपार पुलिस इस मामले में ध्यान नहीं देती है। आरोप है कि गाड़ियां खड़ी होने देने के बदले एक लम्बी वसूली भी होती है।

द्वारपूजा छोड़ लाठियां चटकाने लगे बाराती, घराती, दूल्हा भी बना बंधक

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के महुली क्षेत्र के भैसही उर्फ भैसवरिया गांव से पुत्र शामिल की बेलडुहा गई बारात में बुधवार रात जमकर मारपीट हुई। द्वार पूजा के दौरान बाराती और घराती पक्ष में संघर्ष हो गया। इस दौरान लोहे के रॉड से हमला किया। जमकर लाठियां भी चटकीं। विवाद में दोनों पक्ष से 14 लोग घायल हो गए। जिनका उपचार निकट के अस्पताल में चल रहा है। इस दौरान दूल्हा और उसके परिजनों को घराती पक्ष ने बंधक बना लिया। दूल्हे के पिता ने नगदी और जेवरात छीन लेने का आरोप लगाया है। गुरुवार अपराह्न तक दूल्हे सहित परिजनों को रोक कर विवाह कराए जाने की बात कही जा रही थी।

दुल्हन के घर पर पुलिस फोर्स मौजूद रहे। दोनों पक्षों में आपसी समझौता को लेकर बातचीत चल रही थी। विवाद के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। महुली क्षेत्र के ग्राम भैंसही उर्फ भैसवरिया से बुधवार की शाम दूल्हा प्रवीण पुत्र विश्वनाथ शर्मा की बारात क्षेत्र के बेलडुहा गांव गई थी। द्वार पूजा के दौरान किसी बात को लेकर घराती और बाराती पक्ष के बीच तू तकरार होने लगी। लोगों ने किसी तरह समझा बुझाकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद आगे की रस्म शुरू हुई। जैसे ही मंच पर जयमाल कार्यक्रम शुरू होने वाला था। एक बार पुनः घराती और बाराती पक्ष आपस मे भिड़ गए। लोहे की रॉड और लाठियां चटकने लगी। मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप अख्तियार कर लिया। काफी देर तक मारपीट हुई। विवाद में बाराती पक्ष से दूल्हे के पिता विश्वनाथ शर्मा (60) पुत्र गोमती शर्मा, दूल्हे का भाई गोविंद के अलावा अवधेश यादव (17) पुत्र राजाराम यादव निवासी खलीलाबाद, रवि किशन (18) पुत्र मुनिराम गौतम निवासी घोरहट, राम जनक (22), राम यज्ञ (24) पुत्रगण जगरनाथ, विनोद (25) पुत्र राम दयाल, गोविंद पुत्र गिरजेश उम्र (25), शिवपूजन शर्मा पुत्र जगरनाथ शर्मा, आकाश शर्मा (18) पुत्र सुभाष चन्द्र, आनंद गोंड (22) के अलावा घराती पक्ष से सत्येन्द्र शर्मा और सुरेंद्र शर्मा घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए निकट अस्पताल भर्ती कराया गया दूल्हे के पिता विश्वनाथ शर्मा ने नगदी और जेवरात छीन लेने का आरोप लगाया है। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। जबकि घराती पक्ष द्वारा विवाह में दूल्हे पक्ष पर द्वार पूजा के दौरान महिलाओं की तरफ आतिशबाजी का रुख कर देने की बात के साथ रस्म में सिंधौरा नहीं लाने की वजह से विवाद होने की बात कही जा रही है। विवाद से अफरा—तफरी मच गई। विवाद के बाद घराती पक्ष द्वारा दूल्हे परवीन के अलावा अन्य परिजनों को बंधक बना लिया गया। गुरुवार दोपहर तक विवाह के बाद दूल्हे को जाने देने की बात कही जा रही थी। फिलहाल दोनों तरफ से कुछ लोग आपसी बातचीत कर मामले के निपटाने में जुट गए थे। सुरक्षा के मद्देनजर दुल्हन के घर पर पुलिस फोर्स मौजूद रहे। पुलिस पर लगाया थाने से वापस लौटा देने का आरोप नाथनगर, महुली क्षेत्र के ग्राम बेलडुहा में बुधवार रात में द्वार पूजा के दौरान खूनी संघर्ष में चौदह लोग चुटहिल हो गए थे। बाराती पक्ष की माने तो वह लोग खून से लथपथ होकर महुली थाने पहुंचे तथा न्याय की गुहार लगाई। लेकिन ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मी ने उन्हें रात में ही बैरंग वापस लौटा दिया। पुलिस ने कहा कि पहले विवाह कराओ तब जाकर आगे कार्रवाई होगी। जिसके चलते उन्हें न्याय नहीं मिल सका।

सत्य और शक्ति के प्रतीक थे भगवान परशुराम

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के करमा कला में विधायक अनिल त्रिपाठी के आवास पर सत्य एवं शक्ति के प्रतीक भगवान परशुराम की जयन्ती श्रद्धा के साथ मनाई गई। विधायक ने उन्हें समाज में नैतिकता का ध्वजारोहण करते हुए अराजकता को समूल जड़ से समाप्त करने वाला बताया। उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान परशुराम के पूजन से हुई। इसके पश्चात विधायक ने ब्राह्मणों का पांव—पखार, तिलक लगाकर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक श्री त्रिपाठी ने कहा कि भगवान परशुराम ने अपना पूरा जीवन सत्य की मार्ग पर चलने तथा अन्याय से लड़ने में व्यतीत कर दिया। धर्म की स्थापना, संस्कृति की रक्षा, दासत्व से मुक्ति तथा आर्य संस्कृति की स्थापना के लिए किए गए कार्य आज भी लोगों के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के लिए प्राणी मात्र का हित सर्वोपरि लक्ष्य था। न्याय का पक्षधर रहते हुए उन्होंने दीन दुखियों, शोषितों और पीड़ितों की निरन्तर सहायता व रक्षा की। उन्होंने अक्षय तृतीया पर्व पर क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य बने रहने की कामना की। कार्यक्रम में कोडरा गुरुकुलम से पधारे ब्रह्मचारियों द्वारा स्वस्तिवाचन किया गया।

खोराबार में बिजली गिरने से महिला की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। खोराबार इलाके में गुरुवार की सुबह करीब 9:30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से एक 52 वर्षीय महिला झुलसकर घायल हो गई। पीएचसी खोराबार में उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजन शव लेकर घर चले गए। जानकारी के अनुसार, खोराबार थाना क्षेत्र के केवटलिया निवासी दिग्विजय यादव की पत्नी सुशीला देवी (52) गुरुवार की सुबह करीब 9:030 अपने घर पर थी। गरज के साथ तेज हवा व बारिश के साथ ओले गिरने लगे। वह दरवाजे के सामने रखे सामान को घर के अंदर रख रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई और झुलस कर घायल हो गई।

घायल सुशीला देवी के परिजन आनन—फानन में पीएचसी खोराबार लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

भाई—बहन की मौत के बाद मां ने भी तोड़ा दम, 10 वर्ष पहले पिता का भी उठ चुका है साया

संवाददाता—गोरखपुर। इलाके के कूचडेहरि गांव में मां के डांटने से नाराज मोहित कन्नौजिया (18) ने बुधवार को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बेटे को फंदा से लटका देखकर उसकी मां और फिर 14 वर्षीय बहन ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने घायल मां—बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां बहन सुप्रिया की भी बुधवार शाम को मौत गई थी। देर रात मां कौशिल्या की भी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, कूचडेहरि निवासी मोहित के पिता स्व. अंगद कन्नौजिया की दस वर्ष पहले ही मौत हो चुकी है। पिता की मौत के बाद मोहित कम उम्र में ही काम करने लगा और वर्तमान में मुंबई में मजदूरी करता था।

दस दिन पहले ही वह गांव लौटा था। बुधवार की सुबह पारिवारिक मामले को लेकर उसका मां से विवाद हो गया तो मां ने डांट दिया। इसके बाद मोहित ने दोपहर में अपने कमरे में छत की कुंडी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने जब कमरे का दरवाजा बंद देखा तो शोर मचाया, जिसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो लोग सन्न रह गए। मोहित फंदे से लटक रहा था और उसकी मौत हो चुकी थी। यह देखकर मां कौशिल्या इस सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पाई और घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। मां ऐसा करता देखकर बेटी सुप्रिया ने भी जहर खा लिया। दोनों के मुंह से झाग निकलने पर गांव वालों की नजर पड़ी और फिर उन्होंने प्रधान को इसकी जानकारी दी। प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से मां—बेटी को जिला अस्पताल लाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में सुप्रिया की मौत हो गई, देर रात मां ने भी दम तोड़ दिया।

राजघाट में किशोरी की पेड़ से लटकती मिली लाश

संवाददाता—गोरखपुर। राजघाट में16 साल की एक किशोरी की पेड़ से लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल है। शव देखकर पुलिस आत्महत्या मान रही है। किशोर की पहचान बनकटी चक थाना राजघाट की निशा मौर्य पुत्री जुगाली मौर्य के रूप में हुई है। वह मूल रूप से लक्ष्मीपुर थाना खुर्दरपुर जिला महराजगंज की रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक निशा मौर्य जहां रहती है उसी मकान के बगल में नीम के पेड़ से लटकती मिली। किशोरी की माँ झाड़ू—पोछा का काम करती है। पिता मुंबई में रहकर मजदूरी का कार्य करते हैं। वह चार बहने है।

झमाझम बारिश के साथ गिरे ओले

संवाददाता—गोरखपुर। अफगानिस्तान में बने नए सिस्टम का असर पूर्वी यूपी में दिखने लगा है। गुरुवार की सुबह अचानक मौसम में बदलाव हुआ और झमाझम बारिश के साथ बड़े—बड़े ओले गिरने लगे। इसके बाद से मौसम में तेजी से नमी आ गई है। मौसम में 38 डिग्री से सीधे 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया है। ओले गिरने का वीडियो लोग सोशल मीडिया पर शेयर कर मौसम का आनंद उठाते नजर आए। मौसम विभाग के मुताबिक, इसका असर अभी पूर्वी यूपी में दो दिन और देखने को मिल सकता है। गोरखपुर के अलग—अलग इलाकों में कहीं तेज तो कहीं धीमी बारिश हुई है।

शहर के मोहद्दीपुर, रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर, सहारा इस्टेट, बिछिया, गोलघर, शास्त्री चौक जैसे इलाकों में झमाझम बारिश के साथ ओले गिरे है।

वहीं, बशारतपुर, राप्ती नगर, रामजानकी नगर, मेडिकल रोड जैसे इलाकों में हल्की बारिश के साथ छोटे—छोटे ओले गिरे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो जंगल कौड़िया, खोराबार तेज बारिश के साथ बड़े—बड़े ओले गिरे हैं। कृषि वैज्ञानिकों की माने तो यह बारिश किसानों के लिए बेहद फायदेमंद है। क्योंकि, उनके खेतों में नमी आ गई है। ऐसे में खेतों की जुताई करने में आसानी होगी।

जरूरी दवा न होने पर बिफरे डीएम, एएनएम को नोटिस

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने प्राथमिक विद्यालय नेउसा मिठवल पर आयोजित बीएचएनडी दिवस के निरीक्षण में जरूरी दवा व जांच किट न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने एएनएम को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। डीएम के निरीक्षण में एएनएम के पास ड्यू लिस्ट, एचआरपी रजिस्टर, गर्भवती महिलाओं की होनी वाली जांच रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था। डीएम ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आशा को निर्देश दिया कि गांव में घर—घर जाकर टीकाकरण से एक दिन पूर्व गर्भवती महिलाओं व बच्चों को सूचित करें। एएनएम को निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा व गर्भवती महिला जांच एवं टीकाकरण से छूटना नहीं चाहिए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—230/2023
लाले
बनाम
राधेरमण आदि

1. राधेरमण 2. विजय प्रताप 3. भरत राम पुत्रगण श्रीराम निवासीगण ग्राम मड़हा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 31—05—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—1407/2018
परागदास
बनाम
संतराम

1/1 श्रीमती चन्द्रावती उम्र 51 साल पत्नी संतराम 1/2 फूलचन्द्र उम्र लगभग 25 साल 1/3 अमरचन्द्र उम्र लगभग 23 साल पुत्रगण संतराम 1/4 मीना देवी उम्र लगभग 28 साल 1/5 रेशमा उम्र लगभग 26 साल 1/6 उजरका देवी उम्र लगभग 24 साल पुत्रीगण सन्तराम साकिनान मौजा अइलाकला तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 23—05—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—616/2024
राजेन्द्र
बनाम
शैलेश कुमार आदि

1. शैलेश कुमार पुत्र शिवमूरत 2. अमरेश कुमार दूबे पुत्र शिवमूरत निवासी गंगापुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 30—07—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0 393/2023
ओमप्रकाश उर्फ मोलहू आदि
बनाम
ग्राम पंचायत शंकरपुर आदि

1. ग्राम पंचायत शंकरपुर जरिये प्रधान निवासी शंकरपुर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती 2. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 31—07—2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 07 के 31 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—143/2023
रामनरेश
बनाम
श्रीमती इसलावती आदि

1. श्रीमती इसलावती पत्नी अवधेश कुमार साकिन बारीघाट उर्फ लालगंज पो0 लालगंज तप्पा बड़गो पगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामप्रीत दत्तक पुत्र पत्ती देवी पत्नी रामदुलारे साकिन बारीघाट उर्फ लालगंज पो0 लालगंज तप्पा बड़गो पगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 26—05—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

सपाइयों ने प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता—संतकबीरनगर। सरकार पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाते हुए सपाइयों ने गुरुवार को कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही कलक्ट्रेट गेट के सामने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार दलितों पर हो रहे अत्याचार को बढ़ावा दे रही है। सिद्धार्थनगर के डीएम तानाशाही जैसा काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को रोकने में नाकाम हैं। उन्होंने कहा कि सांसद रामजी लाल सुमन पर लगातार करणी सेना की ओर से हमला किया जा रहा है। उनकी जान लेने की कोशिश की जा रही है लेकिन सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। करणी सेना को सरकार का प्रश्रय प्राप्त है। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ खूब अन्याय किया जा रहा है। महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। सरकार लोगों को गुमराह करने के लिए अनर्गल बयानबाजी करती रहती है। नेता प्रतिपक्ष ने डीएम डॉ.राजागणपति पर तानाशाह होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह किसी दल का ज्ञापन तक लेने नहीं आते हैं। तहसील से लेकर निकायों में भ्रष्टाचार की उन्होंने शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जनता परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि जिले में करोड़ों रुपये का धान घोटाला हुआ लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि सरकार अंतिम सांस गिन रही है। इतना अधिक अपराध बढ़ गया है कि अब कोई सुरक्षित नहीं है। दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों व विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुमित कुमार यादव पुत्र मुन्द्रिका यादव ग्राम—लखनौरा (सुगर मिल पो0—पुरानी बस्ती थाना पुरानी बस्ती तप्पा कडर परगना बस्ती पूरब व जिला—बस्ती का स्थाई निवासी है। प्रार्थी के फर्म का नाम SG Enterprises, Proprietor& Sumit Kumar Yadav पता— Laklinaura, Purani Basti, Basti एवं TIN No 09318911789C है। प्रार्थी का आवश्यक दस्तावेज (Form 38/Tin Certificate/Purchas TaŪ Involce/Sale TaŪ Invoice) जोकि व्यापार कर से सम्बन्धित था, को लेकर वह वाणिज्य कर विभाग की तरफ रेलवे स्टेशन रोड के माध्यम से जा रहे थे। प्रार्थी का बैग कही रास्ते में झटका इत्यादि लगने से दिनांक 06—04—2025 को कही गिर गया जो कि बेहद प्रयास करने पर भी वह नहीं मिला। यदि किसी को प्राप्त हुआ हो तो उक्त पते पर देकर सहयोग करे।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com